राष्ट्रीय राजमार्ग 719 को लेकर

# संत समाज व जनप्रतिनिधियों ने मंत्रियों से की मुलाकात

**नवभारत न्यूज**
**भिण्ड, 17 जून।** ग्वालियर-भिंड-इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग 719 के चौड़ीकरण एवं दुर्घटना रहित सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संत समाज एवं जनप्रतिनिधियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल मंगलवार को दिल्ली स्थित केंद्रीय मंत्रालयों में पहुंचा, जहां उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं केंद्रीय संचार मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया से इस महत्वपूर्ण विषय पर विस्तार से चर्चा की।

**फोरलेन अपग्रेड को मिली केन्द्र की मंजूरी**

प्रतिनिधि मंडल में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिंड-दतिया लोकसभा सांसद संध्या राय, भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. रमेश दुबे, तथा दंदरौआ धाम के महंत श्रीश्री 1008 रामदास महाराज, रामभूषण दास महाराज सहित सर्व संत समाज के प्रतिनिधि शामिल रहे। इस अवसर पर चिलौग वाले कालका दास महाराज भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

**केंद्रीय मंत्री ने दिया त्वरित कार्रवाई का आश्वासन :** प्रतिनिधिमंडल द्वारा सौंपे गए मांग-पत्र में बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 719 ग्वालियर-भिंड-इटावा की वर्तमान स्थिति अत्यंत जर्जर एवं असुरक्षित है। मार्ग पर प्रतिदिन 15,000 से 17,000 पीसीयू का यातायात संचालित हो रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। मंत्री नितिन गडकरी ने इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेते हुए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया तुरंत प्रारंभ करने के आदेश अधिकारियों को जारी किए। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि एनएच-719 को 4 लेन में विकसित करने हेतु आवश्यक प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां जल्द दी जाएंगी।

**प्रस्तावित कार्यों की स्थिति :** गौरतलब है कि इस मार्ग के विस्तारीकरण हेतु एमपीआरडीसी भोपाल द्वारा 1 अप्रैल 2025 को संपूर्ण अभिलेख मंत्रालय को भेजे गए थे। प्रस्तावित परियोजना की अनुमानित लागत 2500 करोड़ रखी गई है, जिसे वर्ष 2025-26 की वार्षिक योजना में सम्मिलित किया गया है। डीपीआर कंसल्टेंट द्वारा 14 मई 2025 को मार्ग के संरेखण में आवश्यक संशोधन कर रिपोर्ट पुन: प्रस्तुत की जा चुकी है। मार्ग पर मालनपुर, गोहद, मेहगांव, भिंड, एवं फूप जैसे महत्वपूर्ण नगरों के लिए बायपास निर्माण भी प्रस्तावित हैं, जिससे स्थानीय यातायात को राहत मिलेगी और एक्सीडेंट की दर में गिरावट आएगी।

> **संत समाज की पहल सराहनीय**
> दंदरौआ धाम के महंत एवं संत समाज की इस पहल को भिंड-ग्वालियर अंचल में एक सार्थक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें धर्म और जनसेवा का समन्वय दिखा। सभी संतों ने आश्वस्त किया कि वे भविष्य में भी क्षेत्रीय विकास के मुद्दों पर इसी तरह सक्रिय रहें।

## बरसात पूर्व सफाई व्यवस्था को लेकर बैठक आयोजित

**भिंड, 17 जून।** शहर में आगामी मानसून को देखते हुए नगर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका परिषद भिंड के सभागार में सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील बाल्मीकि ने की। इसमें नगर के स्वास्थ्य अधिकारी, सफाई दरोगा, मेट, एवं जनप्रतिनिधियों सहित कई जिम्मेदार अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष अमित सोनी, उपाध्यक्ष भानु भदौरिया, रामावतार भदौरिया, बड़े दादा, भूरे यादव, दशरथ, वीरेंद्र कौशल, बाबूजी अग्रवाल, रेशम्मती भदौरिया एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। अधिकारियों में स्वास्थ्य अधिकारी राजवीर सिंह, सहायक गुप्ता, तथा पार्षद रविंद्र भदौरिया मौजूद रहे।

**बरसात से पहले नालों की सफाई जरूरी :** बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर में जलभराव और गंदगी की समस्या से निपटने के लिए बरसात शुरू होने से पहले सभी नालों और नालियों की सफाई सुनिश्चित की जाए।

# विधिक साक्षरता-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**नवभारत न्यूज**
**भिण्ड, 17 जून।** मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिंड के निर्देशानुसार कोचिंग क्लासेस लहार रोड, भिंड में एक विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह आयोजन आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाएं योजना, 2015 के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुभूति गुप्ता, न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, डॉ. मनोज कुमार, न्यायाधीश, भिंड द्वारा की गई। दोनों न्यायाधीशों ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों को अनुसूचित जनजातियों एवं अनुसूचित जातियों के विधिक अधिकार, शासकीय योजनाओं के लाभ, तथा आपदा पीड़ितों हेतु संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

**छात्रों को मिली सामान्य कानूनी जानकारी :** कार्यक्रम के दौरान बच्चों को सामान्य कानूनी नियमों, जैसे कि उनके मौलिक अधिकार, बाल अधिकार, तथा विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में भी सरल भाषा में जानकारी दी गई। छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर न्यायाधीशों ने सहज एवं प्रभावशाली शैली में देकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

# जैन मिलन ने महावीर प्रतिभाशाली बच्चों का किया सम्मान

**नवभारत न्यूज**
**भिण्ड, 17 जून।** महावीर गंज स्थित सभागार में जैन मिलन महावीर एवं जैन मिलन महिला चंदना शाखा के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे 15 दिवसीय श्री विराग विशुद्ध बाल संस्कार शिक्षण शिविर एवं जैन प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 का भव्य समापन हुआ। यह कार्यक्रम शाम 7 बजे से रात्रि 10ः30 बजे तक चला।

कार्यक्रम का शुभारंभ वीरांगना अंजू जैन द्वारा मंच उद्घाटन से हुआ। मनोज जैन (जमसारा) द्वारा चित्र अनावरण तथा वीरांगना उर्मिला सुनील जैन द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर मंच पर भारतीय जैन मिलन के प्रचार अध्यक्ष अतिवीर राजेश जैन च्बंटीज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर महेन्द्र जैन अति विशिष्ट अतिथि तथा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर सुनील जैन, क्षेत्रीय मंत्री वीर कमलेश जैन, क्षेत्रीय संयोजिका वीरांगना राखी जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जल संरक्षण समिति के चेयरमैन एवं महिला चंदना शाखा की संस्थापक संयोजिका वीरांगना नीतू जैन पहाड़िया ने की।

मुख्य अतिथि राजेश जैन बंटी ने कहा कि भौतिकता की दौड़ में नैतिक और धार्मिक शिक्षा अत्यंत आवश्यक हो गई है। ऐसे शिविरों के माध्यम से बच्चों को संस्कार देना न केवल पुनीत कार्य है, बल्कि समाज निर्माण की नींव भी है। शिविर में भाग लेने वाले बच्चों व महिलाओं को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही हाई स्कूल व इंटरमीडिएट में 85ल से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। भारत सरकार और विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इंस्पायर मानक अवार्ड से सम्मानित अंशिका जैन को भी समारोह में शाखा द्वारा विशेष सम्मान प्रदान किया गया। अंतिम चरण में अतिथियों, पत्रकार बंधुओं व शहर के गणमान्य नागरिकों का शाखा द्वारा शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन जैन मिलन महावीर के अध्यक्ष धर्मेन्द्र पहाड़िया ने किया तथा आभार जैन मिलन चंदना की अध्यक्ष सुनीता जैन ने व्यक्त किया।

**संस्कार, संस्कृति और सम्मान का संगम :** कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मोनी जैन द्वारा महावीर प्रार्थना से हुआ। कुमारी राशि जैन व कुमारी रश्मि जैन द्वारा मनोहारी मंगलाचरण नृत्य प्रस्तुत किया गया।

# जनसुनवाई में 91 से अधिक आवेदनों की सुनवाई

**नवभारत न्यूज**
**भिण्ड, 17 जून।** कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राज्य शासन की जनसुनवाई योजना के अंतर्गत आज बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें और आवेदन प्रस्तुत किए। अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

**दिव्यांग महिला को मौके पर ही ट्राईसाईकिल उपलब्ध**

जनसुनवाई के दौरान 91 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें जांच एवं कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंपा गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर शिवांगी अग्रवाल, अन्य विभागीय अधिकारीगण, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिक उपस्थित रहे।

**दिव्यांग महिला को जनसुनवाई में मिली राहत :** जनसुनवाई के दौरान ग्राम पिडोरा निवासी राधा पत्नी रामभरोसे ने उपस्थित होकर अपनी दिव्यांगता के चलते दैनिक जीवन में हो रही कठिनाइयों से अवगत कराया। राधा की बातों को गंभीरता से लेते हुए अपर कलेक्टर पाण्डेय ने मौके पर ही सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया और तत्काल प्रभाव से उन्हें ट्राई साईकिल उपलब्ध कराई गई। अपनी समस्या का त्वरित समाधान होते देख राधा ने जिला प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि इस सहायता से उनके जीवन में वास्तविक सुविधा और आत्मनिर्भरता आएगी।

# बाढ़ आपदा प्रबंधन के लिए कलेक्टर ने जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष का किया गठन

**नवभारत न्यूज**
**भिण्ड, 17 जून।** बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी रूप से निपटने हेतु कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित बैठक में जिला स्तर पर 24 घंटे सक्रिय आपदा नियंत्रण एवं प्रबंधन कक्ष की स्थापना किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस कंट्रोल रूम को तीन पारियों में आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में संचालन हेतु कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जिससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया दी जा सके। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला प्रबंधक लोक सेवा भानु प्रजापति मो. 8285781999 एवं जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस सौरभ उपाध्याय मो. 9893310941 को कंट्रोल रूम का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। किसी भी आपदा या आपात स्थिति में आमजनता कंट्रोल रूम के नंबर 9244336334 एवं 8450009249 पर संपर्क कर सकते हैं।

**तीन पारियों में कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित**

शिफ्ट अनुसार ड्यूटी लगाए गए कर्मचारियों में सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक पंकज शर्मा सहायक प्रबंधक, ई-गवर्नेंस को शिफ्ट प्रभारी बनाया गया है, जिनके साथ विनय अनुरागी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महेश शर्मा कुशल कर्मचारी, लोक निर्माण विभाग, रमेश शर्मा नायक, 259 होमगार्ड एवं इन्द्रवली सिंह कुशवाह भृत्य, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बबेडी की ड्यूटी निर्धारित है। दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक की पारी में शिफ्ट प्रभारी के रूप में दीपक कुमार लखेरे कार्यालय सहायक, लोक सेवा नियुक्त हैं, जिनके सहयोग में डोरीलाल शर्मा कम्प्यूटर ऑपरेटर, पीएचई, कुमार गौरव ऑपरेटर, पीडब्ल्यूडी, रामबाबू सैनिक, 184 होमगार्ड एवं विजय श्रीवास भृत्य, जल संसाधन विभाग कार्यरत रहेंगे। रात्रि 10ः00 बजे से प्रात: 06ः00 बजे तक की तीसरी पारी में शिव तोमर सहायक प्रबंधक, ई-गवर्नेंस को शिफ्ट प्रभारी बनाया गया है। इनके साथ अमित श्रीवास ऑपरेटर, मप्र ग्राम सड़क विकास प्राधिकरण, इकाई भिण्ड एवं शिवसिंह सैनिक, 242 होमगार्ड ड्यूटी पर रहेंगे।

इस टीम को निर्देशित किया गया है कि वे भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों को तत्काल मैदानी अधिकारियों तक पहुंचाएं एवं जिले में घटित किसी भी आपदा की सूचना तत्काल भोपाल सिचुएशन रूम को भेजें। साथ ही जल संसाधन विभाग से सतत समन्वय बनाए रखते हुए नदियों के जल स्तर की जानकारी और प्रतिदिन की प्राकृतिक आपदा की रिपोर्ट कलेक्टर को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। समस्त शिफ्ट प्रभारी भू-अभिलेख कार्यालय से समन्वय करते हुए आगामी तीन दिवस में आपदा कम्युनिकेशन प्लान तैयार करेंगे। डीडब्ल्यूआरएस पोर्टल पर प्रत्येक दिवस की वर्षा एवं क्षति की जानकारी कलेक्टर भू-अभिलेख कार्यालय द्वारा अद्यतन की जाएगी, जिसके लिए नियमानुसार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

> **तत्काल प्रभाव से लागू होगा आदेश**
> इसके अतिरिक्त कंट्रोल रूम में पूर्व से कार्यरत कर्मचारियों को इंटॉक सॉफ्टवेयर 181 के संचालन एवं भोपाल सिचुएशन रूम से सतत संपर्क में रहने हेतु निर्देशित किया गया है। प्रात: 6 से दोपहर 2 बजे तक की शिफ्ट में किरण राजावत, अमित यादव, सचिन तिवारी एवं भृत्य छविराम ड्यूटी पर रहेंगे, वहीं दोपहर 2 से रात्रि 10 बजे तक प्रदुम्मन सिंह, राघवेन्द्र सिंह, रोहित राजावत एवं भृत्य धारा सिंह कार्यरत रहेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे गंभीरता से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

# चंबल की धरती का मरुस्थलीकरण रोकने तत्काल उपाय करने होंगे : प्रो . अली

**नवभारत न्यूज**
**भिण्ड, 17 जून।** चंबल की मिट्टी का स्वभाव रुखा और भुरभुरा है। जिस कारण इसकी मिट्टी आपस में बंध कर नहीं रहती हैं। बारिश के पानी से यह उपजाऊ मिट्टी नदियों के रास्ते बह जाती है। जिसके परिणाम स्वरूप खेती की जमीन बीहड़ में परिवर्तित हो जाती है। बीहड़ीकरण को रोकने के लिए यहां पर हेलीकॉप्टर से विलायती बबूल के बीजों का छिड़काव किया गया। जिसने कुछ हद तक मिट्टी को रोकने का काम तो किया पर यहां की स्थानीय वनस्पतियों पर भी कब्जा कर लिया। यहां के बीहड़ों में जैव विविधता की आवश्यकता है। इसलिए स्थानीय प्रजातियों का भी रोपण होना चाहिए।

**मरुस्थलीकरण के विरुद्ध गांव गांवों में जागरूकता अभियान चला रही है सुप्रयास**

किसान सबसे सरल तरीके से विविध प्रकार के कनेर की झाड़ियां का रोपण करके बदलाव की शुरुआत कर सकते हैं। कनेर के फूलों के खिलने से कीट पतंगो की आमद बढ़ेगी जिससे पक्षी आकर्षित होंगे, और फिर जब पक्षियों की संख्या इस क्षेत्र में बढ़ेगी तो अन्य वनस्पतियां भी स्वाभाविक रूप से उगेगी, क्योंकि पक्षी कई प्रकार के फलों को खाते हैं और उनके बीट के द्वारा अनेक पौधों का रोपण प्राकृतिक रूप से हो जाता है।

विलायती बबूल की जड़ों में मिट्टी में पानी रोकने की क्षमता नहीं होती, वही कनेर, बोगन बिलिया आदि पौधों की जड़ें मिट्टी को तो रोकती ही है साथ ही साथ मिट्टी में पानी भी रोक कर रखती है। जब मिट्टी में नमी रहेगी तो जैव विविधता फलेगी फूलेगी। और जैव विविधता बढ़ेगी तो मरुस्थलीकरण रुकेगा।

उक्त उद्गार प्रोफेसर इकबाल अली ने सामाजिक संस्था सुप्रयास द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में व्यक्त किए। यह कार्यक्रम सुप्रयास द्वारा चंबल नदी के किनारे रमा कोट गांव में ग्राम चौपाल पर आयोजित किया गया था।

प्रोफेसर इकबाल अली ने बताया कि संयोग से 17 जून को मगरमच्छ संरक्षण दिवस भी होता है और मगरमच्छ की हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका है मगरमच्छ हमारा शत्रु नहीं है, अपितु हमारी नदियों को साफ रखने में घड़ियाल मदद करते हैं। हमें प्रकृति में सहजीवन के सिद्धांत का पालन करना होगा।

इस ग्राम चौपाल में ग्रामीणों की ओर से विचार व्यक्त करते हुए रामकेश राजपूत ने कहा कि चंबल के किनारे के गांव अब उजाड़ हो गए हैं क्योंकि कभी बाढ़ कभी सूखे ने गांव की अर्थव्यवस्था को मटियामेट कर दिया है।

सुप्रयास के सचिव डॉ मनोज जैन ने कहा कि मरुस्थलीकरण और सूखा वैश्विक समस्याएँ हैं। हाल के दशकों में, मानव गतिविधियों जैसे कि अधिक फसल उगाना, अधिक चराई, अनुचित सिंचाई, वनों की कटाई और खराब भूमि प्रबंधन के कारण मरुस्थलीकरण को बहुत बढ़ावा मिला है। इन गतिविधियों ने पृथ्वी की सतह या भूमि के कुछ हिस्से को कम उत्पादक बना दिया है। अधिक से अधिक उत्पादन भूमि का नुकसान गंभीर समस्याओं का कारण बनता है - जिसके परिणामस्वरूप जैव विविधता का नुकसान होता है, भूमि को अपरिवर्तनीय क्षति होती है, और हमारे भोजन और हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए विश्व दिवस सभी को यह याद दिलाने का एक अनूठा अवसर है कि भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण को समस्या-समाधान, मजबूत सामुदायिक भागीदारी और सभी स्तरों पर सहयोग के माध्यम से टाला जाना चाहिए और इससे उबरना चाहिए। इस अवसर पर मानसिंह राजपूत, कुबेर सिंह राजपूत, शीला देवी, प्रेमा देवी, नीलम, शांति देवी सहित अन्य ग्राम वासियों ने चौपाल में भाग लिया।

प्रोफेसर इकबाल अली ने इस अवसर पर बाढ़ से बचाव के उपाय बताएं। उन्होंने कहा कि नदी के किनारे के गांव को बाढ़ के लिए पूर्व तैयारी करके रखनी चाहिए। चंबल में अति वर्षा से कभी कभार बाढ़ आती है पर कोटा बैराज डेम से अतिरिक्त पानी छोड़ दिए जाने से बहुत बाढ़ आ जाती है।

इसलिए टॉर्च, छाता, ड्रम, रस्सी, पटेला, खटिया, गुड़, चना, लाई जैसा सूखा भोजन तैयार रखना चाहिए। साथ हीअफवाहों से बचें इसके लिए रेडियो और ट्रांजिस्टर रखना सहायक होता है। बाढ़ की स्थिति में पशुओं को खुला छोड़ दें जिससे संकट की स्थिति में वह सुरक्षित स्थानों पर पहुंच सके।*

हर साल, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए विश्व दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा थीम प्रस्तावित की जाती है, जिसका उद्देश्य सबसे प्रासंगिक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सभी स्तरों पर अभिनव कार्यों को बढ़ावा देना है। साल 2015 से यदि हम थीम का विश्लेषण करें तो यह विषय और इसकी आवश्यकता अधिक स्पष्ट हो सकेगी।

- 2015 : मुफ्त भोजन जैसी कोई चीज नहीं। स्वस्थ मिट्टी में निवेश करें।
- 2016 : पृथ्वी की रक्षा करें। भूमि को पुनर्स्थापित करें। लोगों को जोड़ें।
- 2017 : भूमि क्षरण और प्रवास के बीच संबंध।
- 2018 : भूमि का वास्तविक मूल्य है। इसमें निवेश करें।
- 2019 : आइये मिलकर भविष्य को आगे बढ़ाएं।
- 2020 : भोजन। चारा। फाइबर। - उपभोग और भूमि के बीच संबंध।
- 2021 : पुनर्स्थापना। भूमि। पुनर्प्राप्ति। - हमने स्वस्थ भूमि के साथ बेहतर निर्माण किया।
- 2022 : सूखे से एक साथ उठना।
- 2023 : उसकी भूमि। उसके अधिकार।
- 2024 : भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य
- 2025 : भूमि को पुन : स्थापित करें, अवसरों को अनलॉक करें।

# अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर धरना 317वें दिन भी जारी

**नवभारत न्यूज**
**भिण्ड, 17 जून।** अनुसूचित जाति संघर्ष समिति, लहार के तत्वावधान में शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 2711 एवं 2715 से अतिक्रमणकारियों को हटाने की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन आज 317वें दिन में प्रवेश कर गया है। दशहरा मैदान, भाटनताल पर जारी इस आंदोलन का नेतृत्व बाबूलाल टैगोर कर रहे हैं।

**दशहरा मैदान भाटनताल में अनुसूचित जाति संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन**

धरने में शामिल लोगों का कहना है कि संबंधित शासकीय भूमि का सीमांकन तो किया गया, लेकिन अब तक अतिक्रमणकारियों से भूमि को मुक्त नहीं कराया गया है, जिससे समाज में रोष व्याप्त है। समिति की मांग है कि शीघ्र ही प्रशासन हस्तक्षेप कर न्याय दिलाए।

मंगलवार धरना स्थल पर कई समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पहुँचकर आंदोलन को समर्थन दिया। इनमें बच्चूलाल विश्वकर्मा, रामनारायण नेताजी, हरगोविंद सिंह बघेल, सोनू नागर, देवेंद्र सिंह, जसमंत सिंह कुशवाह, रामदास जाटव, सोनेलाल रायपुरिया, बंटू सिंह कुशवाह, पप्पू ड्राइवर, चंद्रपाल टैगोर, माताप्रसाद, डॉ. सरनाम सिंह, छोटे सिंह राजावत आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

धरना स्थल पर उपस्थित लोगों ने कहा कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा और शासकीय भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया जाएगा, तब तक यह आंदोलन शांतिपूर्ण रूप से जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की।